DAINIK BHASKAR, Surat, 17.2.2022
Page No. 2, Size:(25.37)cms X (27.97)cms.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

सूरत भास्कर
दैनिक भास्कर
dainikbhaskar.com
सूरत, गुरुवार, 17 फरवरी, 2022 | 2

1396 हेक्टेयर जमीन पर चल रहा है प्रोजेक्ट का काम गुजरात राज्य में

508 किमी लम्बा है अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन रूट | 25 किमी कॉरिडोर सूरत से होकर गुजरेगा

237 किलोमीटर लम्बा है प्रोजेक्ट का वडोदरा-सूरत और वापी सेक्शन

1200 पिलर सूरत में | 36 पिलर तैयार | 20 निर्माणाधीन

2024 में तैयार होगा सूरत बुलेट स्टेशन | 2024 में सूरत-बिलीमोरा के बीच ट्रायल रन

वर्क ऑन बुलेट स्पीड: 36 पिलर खड़े हो चुके हाई स्पीड ट्रेन के पहले स्टेशन की नींव तैयार

भास्कर ग्राउंड रिपोर्ट

प्रोजेक्ट के लिए जमीन सबसे पहले सूरत में क्लियर हुई तो काम जल्दी शुरू हो सका

- 2024 में सूरत और बिलीमोरा के बीच ट्रायल रन शुरू होगा, डेढ माह से युद्धस्तर पर चल रहा काम

लवकुश मिश्रा | सूरत

सात साल के इंतजार के बाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर प्रोजेक्ट फाइलों से निकल कर अब धरातल पर नजर आने लगा है। अहमदाबाद और मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन चलाने के लिए कॉरिडोर बनाने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट सूरत के लिए काफी महत्वपूर्ण है....क्योंकि यहां बुलेट का एक स्टेशन और एक डिपो बनेगा। रूट का सबसे पहला बुलेट स्टेशन सूरत में तैयार होगा। सूरत और बिलीमोरा के 50 किमी लम्बे सेक्शन पर दो साल में बुलेट ट्रेन का ट्रायल रन शुरू करने का लक्ष्य है। यही कारण है कि सूरत से गुजर रहे हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की 25 किलोमीटर की दूरी में काम की गति सबसे तेज है। प्रोजेक्ट की वर्क प्रोग्रेस का मुआयना करने के लिए भास्कर रिपोर्टर ने अंतरोली से भाटिया टोल प्लाजा तक 25 किमी लम्बे बुलेट कॉरिडोर का दौरा किया और वहां चल रहे काम को देखा। अहमदाबाद-मुंबई 508 किमी लम्बे बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की घोषणा वर्ष 2014 में की गई थी और 2021 में फील्ड में काम शुरू हो गया था। प्रोजेक्ट के पैकेज सी-4 में वडोदरा-सूरत-वापी के 237 किमी रूट का काम चल रहा है। यह सैक्शन पूरे प्रोजेक्ट का 45 प्रतिशत है। रिपोर्टर ने अंतरोली में जायजा लिया तो पाया कि वहां बुलेट स्टेशन का काम शुरू हो चुका है। प्लिंथ लेवल पर स्टेशन का काम पूरा हो चुका है। अगले दो साल में स्टेशन बनकर तैयार हो जाएगा। इसी प्रकार नियोल में बुलेट ट्रेन डिपो का निर्माण भी गति पर है। प्रोजेक्ट का काम तेजी से हो, इसके लिए भाटिया टोल नाके के पास कास्टिंग यार्ड बनाया गया है, जहां दिन-रात श्रमिक-इंजीनियर काम कर रहे हैं। यहां एलिवेटेड कॉरिडोर के सेगमेंट तैयार रखे हैं। पिलर निर्माण होते ही सेगमेंट लॉन्चिंग शुरू हो जाएगी।

इतनी तेज है स्पीड कि डेढ़ माह में बना दिए 33 पिलर

दिसंबर 2021 तक सूरत में बुलेट कॉरिडोर के मात्र तीन पिलर ही बने थे। पिछले डेढ माह में काम की गति बढ़ाई गई। जिसका नतीजा है कि अब 36 पिलर बनकर तैयार हैं। ये पिलर वक्ताना-गोजा-अंतरोली के बीच खड़े किए गए हैं। प्रोजेक्ट की रफ्तार सात गुना बढ़ाई गई है। पिलर बनाने के लिए 100 से ज्यादा हैवी मशीनरी और ढाई हजार से ज्यादा श्रमिक लगातार काम में जुटे हुए हैं। पिलर निर्माण कार्य 24 घंटे लगातार चल रहा है।

2014 केंद्र सरकार ने बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की घोषणा की | 2021 प्रोजेक्ट का काम धरातल पर शुरू हो पाया था | 2026 बुलेट ट्रेन का ट्रायल रन शुरू करने का लक्ष्य

बुलेट का रख-रखाव सूरत में होगा, ढाई साल में बनेगा डिपो

नियोल में निर्माणाधीन मेंटिनेंस डिपो में ही बुलेट ट्रेनों की मरम्मत-रख-रखाव होगा। डिपो का निर्माण दो से ढाई साल में पूरा होगा। सिविल वर्क पूरा होने के बाद इसके अंदर 2 रेल ट्रैक बिछाए जाएंगे। एक ट्रैक ट्रेनों के नियमित मरम्मत और निरीक्षण के लिए होगा। जबकि दूसरा स्टेब्लिंग लाइन के रूप में होगा। भविष्य में इन दो ट्रैक के अलावा निरीक्षण के लिए दो और ट्रैक डाले जाएंगे। जिससे कुल चार लाइनें हो जाएंगी और 4 ट्रेन सेट के लिए डिपो सक्षम होगा।

सूरत जिले में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत सेगमेंट कास्टिंग यार्ड से लेकर नियोल में बन रहे डिपो और अंतरोली में स्टेशन का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब तक 36 पिलर बन चुके हैं, जबकि 20 पिलर अंडर कंस्ट्रक्शन हैं। अन्य पिलर का काम भी जारी है। **-सुषमा गौड़**- एजीएम ,एनएचएसआरसीएल

कोसमांडा

आकार लेने लगा है सूरत का बुलेट ट्रेन स्टेशन, 2024 तक बन कर तैयार होगा

सारोली से तीन किमी दूर अंतरोली में बुलेट रूट का सबसे पहला रेलवे स्टेशन बनाया जा रहा है। आधा वर्ग किमी में सूरत बुलेट रेल स्टेशन आकार ले रहा है। स्टेशन के लिए कुल 148 पाइल किए गए हैं। जिसमें 60 पाइलिंग पूरी हो गई है और 45 पिलर बनाने का काम शुरू हो गया है। इसे 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

अंतरोली

47 हेक्टेयर में बुलेट का मेंटिनेंस डिपो बनाने के लिए रिग मशीन से खुदाई शुरू

नियोल रेलवे स्टेशन के पास 47 हेक्टेयर एरिया में बुलेट ट्रेन का मेंटिनेंस डिपो का निर्माण गति पर है। यह सूरत बुलेट स्टेशन से दो किमी दूरी पर है। सबसे पहले यहां फुटिंग और लेवलिंग वर्क शुरू किया गया है। हाइड्रोलिंग रिग मशीन से खुदाई भी जारी है।

नियोल

वक्ताणा-अरथान रोड

वक्ताणा से शुरू होगा सेगमेंट लॉन्चिंग का काम, जल्द नजर आएगा एलिवेटेड कॉरिडोर

वक्ताणा-अरथान गांव रोड के समानांतर बुलेट रूट पर हरे-भरे खेतों के बीच 8 पिलर पूरी तरह से बनकर तैयार हैं। पिलर की कैप भी बन गई हैं। अब यहां सेगमेंट लॉचिंग जल्द ही शुरू हो जाएगी। आगामी एक माह में इन सभी पिलर पर बुलेट का एलिवेटेड कॉरिडोर नजर आने लगेगा।

एक हजार श्रमिक बना रहे हैं सेगमेंट, ताकि पिलर बनते ही काम शुरू हो जाए

भाटिया टोल प्लाजा के पास कास्टिंग यार्ड में सेगमेंट कास्टिंग चल रही है। दूसरी तरफ इसके पैरेरल बुलेट का एलिवेटेड मार्ग भी तैयार हो रहा है। यहां 10 पिलर खड़े हो गए हैं। अब पिलर कैप बनाए जा रहे हैं। यार्ड में करीब एक हजार लेबर-कॉन्ट्रेक्टर काम कर रहे हैं।

वक्ताणा

भाटिया टोल प्लाजा

सबसे पहले काम सूरत में शुरू हुआ, पूरा भी यहीं होगा

अहमदाबाद-मुंबई बुलेट प्रोजेक्ट का सबसे तेज काम सूरत में चल रहा है, इसलिए सबसे पहले का काम भी यहीं पूरा होगा। केंद्र सरकार की प्लानिंग है कि बिलीमोरा से सूरत के बीच 50 किमी की दूरी में 2024 तक बुलेट का ट्रायल शुरू कर दिया जाए। काम की गति को देखते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप काम पूरा होने की आशा है। सूरत के 25 किमी लम्बे कॉरिडोर में कई स्थानों पर पिलर तैयार हैं, अब जल्द सेगमेंट लॉन्चिंग होगी। सूरत की सांसद एवं रेल राज्यमंत्री दर्शनाबेन जरदोष खुद इस प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग कर रही हैं। वे घोषणा कर चुकी हैं कि 2024 में बुलेट स्टेशन बन जाएगा।

100 से ज्यादा हैवी मशीनरी सूरत में निर्माण में लगी हैं | 2500 से ज्यादा श्रमिक-इंजीनियर दिन-रात काम कर रहे हैं

देश में सबसे पहले बनेगा सूरत का बुलेट ट्रेन स्टेशन

सूरत का बुलेट ट्रेन स्टेशन सबसे पहले बनकर तैयार होगा। दो साल के भीतर स्टेशन को बनाने का लक्ष्य रखा गया है। स्टेशन के लिए कुल 148 पाइल किए गए हैं। जिसमें 60 का पाइलिंग टेस्ट पूरा हो चुका है। 45 जगह पर पिलर खड़ा करने का काम शुरू हो गया है। यह स्टेशन सूरत-अहमदाबाद हाईवे से सटा कर बनाया जा रहा है। प्रोजेक्ट कॉन्ट्रेक्टर ने अकेले स्टेशन बनाने के लिए कुल तीन हजार वर्कर तैनात किए हैं।